|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 14. Januar 2024 | | |
| **02. Sonntag im Jahreskreis B** | | |
| Erste Lesung: 1 Sam 3,3b-10.19; Zweite Lesung: 1 Kor 6,13c-15a.17-20; Evangelium: Joh 1,35-42 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 477, 1+2 | Gott ruft sein Volk zusammen |
|  | GL 400, 1+2 | Ich lobe meinen Gott |
|  | GL 700, 1+2 | Wie freue ich der Botschaft mich |
|  | GL 715, 1-3 | Du hast uns, Herr, gerufen |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 161 | Du rufst uns, Herr |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 701 | Lasst uns Gott |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 40,2 u. 4ab.7-8.9-10 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 31, 1 | Selig der Mensch |
|  | GL 312, 7 | Herr, du hast Worte |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 448, 1-4 | Herr, gib uns Mut zum Hören |
|  | Wenn nur die 2. Lesung genommen wird: | |
|  | GL 483, 1 | Halleluja. Ihr seid das Volk |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 5 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Wir haben den Messias gefunden, den Gesalbten des Herrn.* | |
|  | *Die Gnade und die Wahrheit sind durch ihn gekommen.* | |
|  |  |  |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott, wir Vater nennen |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 456, 1+4 | Herr, du bist mein Leben |
|  | GL 360, 1+5 | Macht weit die Pforten |
|  | GL 474, 1-5 | Wenn wir das Leben teilen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 718 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 202 | O du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 275, 1+4 | Selig, wem Christus |
|  | GL 491, 4 | Christus, der Herr, hat mich erwählt |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 382, 2+5! | O sei zu seinem Lob |
|  | GL 389, 3-6 | Dass du mich einstimmen lässt |